असतो मा सद्गमय

आज़ादी का अमृत महोत्सव

पी. जी. डी. ए. वी. महाविद्यालय

(दिल्ली विश्वविद्यालय)

मुख्य अतिथि :

डॉ. विनय सहस्रबुद्धे

(सदस्य, राज्यसभा; अध्यक्ष, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद्)

वार्षिक विवरण
2021–22

वार्षिक पारितोषिक वितरणोत्सव
21 अप्रैल, 2022

प्रशासकीय समिति के सदस्य

श्री अजय सूरी (चेयरमैन)

डॉ. शिव रमन गौड (कोषाध्यक्ष)

डॉ. रमेश आर्या

श्री ए. के. शर्मा

डॉ. एन. के. ओबरॉय

श्री जे. के. कपूर

श्री अरविंद घई

डॉ. डी. वी. सेठी

श्री नानक चंद

ब्रिगे. ए. के. अदलखा

श्री आर. सी. जीवन

श्रीमती रीता गुप्ता

प्रो. अवन्ति भट्टाचार्य

प्रो. सईद मेहरताज बेगम

डॉ. वीना

डॉ. अंकित अग्रवाल

सुश्री रेणुका धर बजाज

सुश्री उदिता अग्रवाल

प्रो. रविंदर कुमार गुप्ता

प्रो. कृष्णा शर्मा (सदस्य सचिव)

श्री राजेश खन्ना (आमंत्रित सदस्य)

श्री नरेंद्र कुमार वर्मा (आमंत्रित सदस्य)

महोदय,

पीजीडीएवी कॉलेज के वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह में समूचे डीएवी परिवार की ओर से मैं सभी अतिथियों का हार्दिक अभिनंदन करती हूँ।

बहुत-बहुत स्वागत, बहुत-बहुत अभिनंदन।

हमारे आज के मुख्य अतिथि डॉ विनय सहस्त्रबुद्धे जी, प्रो. रजनी अब्बी जी, श्री अजय सूरी जी एवं डॉ शिवरमन गौड जी के प्रति हृदय से कृतज्ञता ज्ञापित करती हूँ जो आज मार्गदर्शन एवं उत्साहवर्धन के लिए हमारे मध्य उपस्थित हैं।

दिल्ली विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद में उपराष्ट्रपति द्वारा नामित श्री राजकुमार भाटिया एवं हंसराज कॉलेज की प्राचार्या प्रोफेसर रमा जी का भी मैं हृदय से अभिनंदन करती हूँ।

इस वर्ष का यह समारोह कई कारणों से विशिष्ट भी है। हम सब इस वर्ष आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं और अपने दिल्ली विश्वविद्यालय की शत वार्षिकी भी मना रहे हैं। गत वर्ष तो वैश्विक महामारी के प्रकोप ने हमें यह समारोह इस तरह प्रत्यक्ष रूप से मनाने ही नहीं दिया था, हम ऑनलाइन समारोह मनाने के लिए विवश थे इस मायने में भी यह समारोह कुछ विशिष्ट ही है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के रूप में शैक्षिक जगत में हम एक सर्वथा नए युग में प्रवेश कर रहे हैं यह समय हमारे समक्ष नव एवं दृढ़ संकल्प के साथ अपने भारतवर्ष को शिक्षा के वैश्विक मानचित्र पर सर्वाधिक उज्ज्वल एवं प्रकाशमान राष्ट्र के रूप में स्थापित करने का भी है। आइए हम सब मिलकर यह संकल्प लें।

आजादी का अमृत महोत्सव एवं अपने दिल्ली विश्वविद्यालय की शतवार्षिकी का ऐसा मणिकांचन योग हमें अपने लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए एक नई ऊर्जा एवं उत्साह का वातावरण प्रदान कर रहा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत वर्ष जिस दिशा में बढ़ रहा है उससे निश्चित है कि अपना देश विश्व गुरु के रूप में प्रतिष्ठित होगा। हम सब का यह परम कर्त्तव्य है कि विश्व गुरु बनने के अनुष्ठान में अपने-अपने दायित्व का पूरी निष्ठा पूर्वक निर्वहन करें।

इस शैक्षणिक वर्ष का अधिकांश समय 'ऑनलाइन' कक्षाओं का ही रहा है। प्रत्यक्ष कक्षाओं को आरंभ हुए तो अभी कुल 2 माह हुए हैं, किंतु हमारे महाविद्यालय के शिक्षकों और छात्रों की उपलब्धियां किसी भी प्रकार से प्रभावित नहीं हुई हैं, ऐसी ही उपलब्धियों की एक संक्षिप्त रिपोर्ट मैं आपसे आज साझा करना चाहती हूँ।

इस वर्ष हमने महाविद्यालय में 'इन्फ्रास्ट्रक्चर' के क्षेत्र में पर्याप्त विकास किया है। पर्यावरण विज्ञान के क्षेत्र में बेहतर शोध एवं शिक्षण के उद्देश्य से हमने एक नई प्रयोगशाला स्थापित की है। यह प्रयोगशाला न केवल अकादमिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण है बल्कि समूचे कॉलेज परिसर को 'हरित परिसर' में बदलने में भी बहुत सहायक होगी। छात्रों-शिक्षकों एवं अन्य कर्मचारियों के लिए व्यायामशाला अब पूरी तरह तैयार है जो 'FIT India' लक्ष्य को पाने में मददगार होगी। कॉलेज की 'लॉबी' अब एकदम नयी हो गई है और बिजली के लगभग सभी तार सुरक्षित रूप से ढक दिए गए हैं। पुस्तकालय में एवं लघु संगोष्ठी कक्ष एवं कम्प्यूटर लैब बन कर तैयार हो गई है। इसी प्रकार पूरे परिसर को श्रेष्ठतम 'वाई-फाई' से जोड़ा जा रहा है। पुस्तकालय में ही आने वाले वर्ष में 'डिजिटलाईजेशन' एवं 'आर्काइव्स' का कार्य सम्पन्न करने की योजना है।

प्राध्यापकीय उपलब्धियाँ

वाणिज्य विभाग

डॉ. शुचि पाहुजा ने स्प्रिंगर द्वारा प्रकाशित 'Current Global Practices of Corporate Social Responsibility: CSR, Sustainability, Ethics & Governance' पुस्तक के लिए 'The Impact of Mandated CSR: Evidence from India' शीर्षक से एक अध्याय लिखा। इसके अतिरिक्त उन्होंने स्प्रिंगर के 'Encyclopaedia of Sustainable Management' से संबंधित 5 अध्यायों के लेखन में अपना योगदान दिया, जिसमें क्योटो प्रोटोकॉल, सीडीएम, ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन, पर्यावरण अनुपालन लेखा परीक्षा आदि प्रमुख हैं। वर्तमान में वह इस विश्वकोश के अनुभाग संपादक के रूप में कार्य कर रही हैं। विभिन्न पत्रिकाओं में "Corporate environmental disclosures of oil and gas companies in India: an analysis of executives perceptions" और "Advances in environmental research" शीर्षक से उनके लेख भी प्रकाशित हुए हैं।

सुश्री सोनिया सब्बरवाल का 'पुरुषार्थ' पत्रिका में "Talent Management: An Empirical Analysis of Its Antecedents and Consequences, Applying Structural Equation Modeling" शीर्षक से शोध पत्र प्रकाशित हुआ।

डॉ. शशि नंदा का आई.ओ.एस.आर जर्नल ऑफ बिजनेस एंड मैनेजमेंट में "Maintaining Service Quality Benchmarks through Green Relationships: A Marketing Strategy for Sustainable success in Restaurants" शीर्षक से शोध पत्र प्रकाशित हुआ।

डॉ. मनोज कुमार सिन्हा का 'The Indian Journal of Commerce' पत्रिका में "Dynamics of Market Concentration of Factoring Service - A Cross Country Analysis" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रकाशित हुआ। उन्हें वर्ष 2021-2023 के लिए चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद के वाणिज्य विभाग में अंडर ग्रेजुएट स्टडीज बोर्ड के विशेषज्ञ सदस्य के रूप में मनोनीत किया गया है और डॉ. सिन्हा P.G. Department of Commerce & Management, मगध विश्वविद्यालय और Indian Economic Association & Economic Association of Bihar के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी "Role of Microfinance in Economic Development" में मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित थे।

डॉ. रितु गुप्ता को दिसंबर 2021 में "Impact of brand anthropomorphism in determining the consumer brand relationship: A study of smart phones." विषय पर पीएच.डी की उपाधि प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त उनके "The power to voice my hate ! Exploring the effect of brand hate and perceived social media power on negative eWOM" और "Determinants of smart speaker adoption intention: extending the theory of planned behaviour" शीर्षक से शोध पत्र प्रकाशित हुए।

डॉ. आकांक्षा जैन ने "Emerging trends and issues in economics and finance" शीर्षक से एक पुस्तक संपादित की एवं आईओएसआर जर्नल ऑफ बिजनेस एंड मैनेजमेंट में "Maintaining Service Quality Benchmarks through Green Relationships: A Marketing Strategy for Sustainable success in Restaurants" शीर्षक से उनका एक लेख प्रकाशित हुआ।

श्री रामवीर ने अपनी पीएच. डी थीसिस जमा की एवं उनके "Recent Vogue and Progress of Indian PSB's" और "Role of Information Technology: An Indian Banking Sector" शीर्षक से शोध पत्र राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए। उन्होंने यशवंतराव चव्हाण आर्ट्स, कॉमर्स एंड साइंस कॉलेज, अंबुजोगाई द्वारा आयोजित 9वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "Increase Role of IT in Banking Sector: Post Covid-2019" और वाणिज्य विभाग, बरकतुल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "Role of Information Technology: An Indian Banking Sector" शीर्षक से शोध पत्र भी प्रस्तुत किए।

डॉ. नीरजा को फरवरी 2022 में वाणिज्य और व्यवसाय संकाय, वाणिज्य विभाग, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स द्वारा -"An Empirical Study of Private Equity Investment in India: Trends and Determinants" पीएच.डी की उपाधि प्रदान की गई।

सुश्री किरन यादव ने वर्ष 2021-22 में अपनी पीएच.डी थीसिस जमा की और उन्होंने राजधानी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय एवं केलानिया और टेलर्स विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित दो अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में शोध पत्र प्रस्तुत किए।

सुश्री खुशबू अग्रवाल का इंडियन इकोनॉमिक जर्नल में "Causality between Stock Market, Domestic and Global Economic Policy Uncertainty: Evidence from India" शीर्षक से शोध पत्र और एक संपादित पुस्तक Management Dynamics & COVID Pandemic में "Indian Stock Market and COVID-19: A Sectoral Analysis" शीर्षक से एक अध्याय प्रकाशित हुआ। इसके अतिरिक्त उन्होंने "Stock Returns Seasonality in Emerging Asian Markets", "Causal relationship between Stock Price and Macroeconomic variables in the Asia-Pacific region: a Panel Data Analysis" और "Linkages between Indian Stock Market and Some Asia-Pacific Stock Markets" शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किए।

डॉ. अनंदिता गोल्दार को वाणिज्य विभाग, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा "Nature and Determinants of Outward Foreign Direct Investment: A Study of Select Indian Manufacturing Firms" विषय पर पीएच.डी की उपाधि प्रदान की गई।

डॉ. शिखा मेनानी ने वाणिज्य विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय से पीएच.डी की उपाधि प्राप्त की और बी.कॉम चौथे सेमेस्टर के लिए "Investing in Stock Market" शीर्षक से एक पुस्तक भी लिखी।

सुश्री मोनिका सैनी ने "Rethinking New Work Order: A Policy Change Initiative" विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में "Trends and Growth of Share Buybacks in India: Pre and Post Covid-19" शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किया और फरवरी, 2022 में उन्होंने कंपनी सचिव की कार्यकारी अधिकारी की परीक्षा भी उत्तीर्ण की।

कंप्यूटर साइंस विभाग

डॉ. रवीश शर्मा ने अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियों में "Multifaceted Reciprocal Recommendations for Online Dating" और "Siamese Bi-Directional Gated Recurrent Units Network for generating reciprocal recommendations in Online Job Recommendation" शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किए। इसके लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र का पुरस्कार भी प्राप्त हुआ। उन्होंने जनवरी 2022 में "Artificial Intelligence and Speech Technology" विषयक संगोष्ठी में सह-लेखक डॉ. पूनम बेदी और सुश्री पूर्णिमा खुराना के साथ "Session Based Recommendations using CNN-LSTM with Fuzzy Time Series" शीर्षक से एक अन्य शोध पत्र भी प्रस्तुत किया।

डॉ. गीता अग्रवाल और **डॉ. वीनू भसीन** ने 'Responsive web designing using Bootstarap' विषय पर छात्रों के लिए 30 घंटे का प्रमाणपत्र कार्यक्रम आयोजित किया। उन्होंने शिक्षकों के लिए 'NLPand its Applicatoins' विषय पर महात्मा हंसराज फैकल्टी डेवलपमेंट सेंटर के सहयोग से एक FDP का भी आयोजन किया।

अर्थशास्त्र विभाग

डॉ. वरुण भूषण ने इग्नू के 'Development Economics-II under BA (H) Economics programme' पाठ्यक्रम के तहत "Demographic Transition and its Implications" और "Demography and the Process of Development" शीर्षक से दो इकाइयों का लेखन किया। इसके अतिरिक्त उन्होंने सेंट फ्रांसिस डे-सेल्स कॉलेज, बैंगलुरु विश्वविद्यालय, कर्नाटक द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय वेबिनार 'Contemporary Trends in Investment Management and Start-ups' में "Start-up India: Opportunities and Challenges for young entrepreneurs" विषय पर एक व्याख्यान भी दिया।

अंग्रेजी विभाग

सुश्री रेणु कपूर का एक प्रतिष्ठित कला पत्रिका 'पोस्ट-मॉडर्निस्ट इंडियन आर्ट इन आर्ट एंड डील' में एक लेख और 'Author to Auteur: Theories and Film Adaptations' पुस्तक में "Linda Hitcheon's Theory of Adaptation" शीर्षक से एक अध्याय भी प्रकाशित हुआ।

पर्यावरण अध्ययन विभाग

डॉ. गौरव कुमार ने मुख्य वक्ता के रूप में राष्ट्रीय संगोष्ठी में "New Normals in Society" विषय पर एक व्याख्यान दिया और विले, ब्लैकवेल द्वारा "Energy, Challenges, Crisis and Solutions" शीर्षक से उनकी एक पुस्तक प्रकाशित हुई। इसके अतिरिक्त उन्होंने स्प्रिंगर की "Plant Stress Biology" पुस्तक के लिए "Abiotic Stress in Plants: An Overview" शीर्षक से एक अध्याय भी लिखा।

हिंदी विभाग

डॉ. कपिल देव प्रसाद निषाद का 'अपनी माटी' पत्रिका में "संचार की दुनिया में इंटरनेट, मोबाइल और सोशल मीडिया" और 'संवादपथ' पत्रिका में "विचारों की दुनिया, संचार माध्यम और बाजार" शीर्षक से शोध पत्र प्रकाशित हुए। इसके अतिरिक्त उन्होंने 'भाषा समाज और संस्कृति के क्षेत्र में मीडिया का हस्तक्षेप' पुस्तक के लिए 'मीडियाः भाषा, समाज और संस्कृति' शीर्षक से एक अध्याय भी लिखा।

सुश्री शीतल कुमारी को फरवरी, 2022 में दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा पीएच.डी की उपाधि प्रदान की गई।

इतिहास विभाग

डॉ. विशाल चौहान को मीडिया और सांस्कृतिक अध्ययन विभाग, बर्मिंघम सिटी विश्वविद्यालय, यू.के.द्वारा पीएच.डी की उपाधि प्रदान की गई। उन्होंने बी.ए.एफ.टी.एस. एस. सम्मेलन में "Decoding Normal Samanya: Popular Hindi Cinema and the Construction of Caste Hindu Identities: 2000-2010'' शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किया और 'समरहिल' पत्रिका में "Playing to the Gallery: Visual-Culture, Aesthetics, and the Spectacle: (Re) Reading Commonwealth Games 2010, New Delhi" शीर्षक से उनका शोध पत्र भी प्रकाशित हुआ। उन्हें कला और मानविकी अनुसंधान परिषद (ए.एच.आर.सी) और यू.के. आर.आई,यू.के. (सह-अन्वेषक के रूप में) द्वारा "India-UK Creative Industries at 75: Opportunities and Challenges" शीर्षक परियोजना के लिए अंतरराष्ट्रीय शोध अनुदान भी प्राप्त हुआ।

डॉ. चंद्रपाल सिंह इतिहास विभाग, पीजीडीएवी महाविद्यालय और भारतीय पुरातत्व सोसायटी के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित 'Introduction to Archaeology'

विषयक एक महीने के सर्टिफिकेट कोर्स के समन्वयक रहे। उन्हें स्वतंत्रता सेनानी प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित शहीद भगत सिंह के जीवन के विभिन्न पहलुओं पर सर्वश्रेष्ठ पत्रों का चयन करने के लिए जूरी के सदस्य के रूप में नामित किया गया है। 'शहीद दिवस' के अवसर पर भारतीय संस्कृति सभा, पीजीडीएवी महाविद्यालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम में उन्होनें व्याख्यान दिया और उन्हें 'Shaheed Bhagat Singh's Quest for Freedom' विषय पर भाषण देने के लिए माता सुंदरी कॉलेज द्वारा भी आमंत्रित किया गया।

डॉ. रिमझिम शर्मा का 'समरहिल' पत्रिका में "Environment in Popular Culture and Ancient Indian Literature" शीर्षक से शोध आलेख प्रकाशित हुआ। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'Sacred Sarasvati- The River in Indian Culture' शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किया और अंग्रेजी विभाग, पीजीडीएवी कॉलेज द्वारा आयोजित ऑनलाइन शॉर्ट-टर्म प्रमाण पत्र कार्यक्रम 'Trajectories of Popular Culture and Globalization' में मुख्य वक्ता के रूप में अपने विचार प्रस्तुत किए।

डॉ. अंकित अग्रवाल ने इतिहास विभाग, पीजीडीएवी महाविद्यालय और भारतीय पुरातत्व सोसायटी के संयुक्त तत्त्वावधान में 'Introduction to Archaeology' विषयक एक महीने के ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स कार्यक्रम को आयोजित किया। इसके अतिरिक्त वे History Today and Puraparvaha नामक दो पत्रिकाओं के सहायक संपादक भी हैं।

लाइब्रेरी विज्ञान विभाग

सुश्री गरिमा गौड़ श्रीवास्तव ने श्री बेंजानी सिटी कॉलेज, नागपुर और अग्रवाल कॉलेज, बल्लभगढ़ द्वारा 'Marketing of Information Products and Services' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में "Marketing of Library Information Products and Services to Divyangjan: An Inclusive approach of University Libraries" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

गणित विभाग

डॉ. विनोद कुमार के 'वेब ऑफ साइंसेज जर्नल्स' में "RAKS: Robust authentication and key agreement scheme for satellite infrastructure", "An Elliptic Curve cryptography based Mutual Authentication Scheme for Smart Grid Communications using Biometric Approach", "Design Flaws and Suggested Improvement of Secure Medical Data Sharing Scheme Based on Blockchain", "A Cluster-based Data Aggregation

Framework for WSN using Blockchain" और "Cryptanalysis and design flaws of anonymous ECC based self-certified key distribution scheme for smart grid" शीर्षक से शोध पत्र प्रकाशित हुए। इसके अलावा उन्होंने विभिन्न सम्मेलनों और कार्यशालाओं में भी अपने विचार प्रस्तुत किए।

सुश्री भावना कोहली का 'तमकांग जर्नल ऑफ मैथमैटिक्स' में "Optimality conditions using convexifactors for a multiobjective fractional bilevel programming problem" शीर्षक से शोध पत्र प्रकाशित हुआ। उन्होंने तीसरे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 'Mathematical Modelling, Computational Intelligence Techniques and Renewable Energy' में "Optimality Conditions for a Multi-objective Bilevel Programming Problem" शीर्षक से एक शोध पत्र भी प्रस्तुत किया।

सुश्री निशा के "A review of bus arrival time prediction using artificial intelligence. WIREs Data Mining and Knowledge Discovery" और "Analytical method to solve the local fractional vehicular traffic flow model" शीर्षक से आलेख प्रकाशित हुए। उन्होंने The Research Group of Transportation विषयक सम्मेलन में एक शोध पत्र भी प्रस्तुत किया।

राजनीतिशास्त्र विभाग

डॉ. पिंकी पुनिया द्वारा इंडियन जर्नल ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन में "राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: उच्च शिक्षा का समीक्षात्मक अध्ययन", इनोवेशन द रिसर्च कॉन्सेप्ट में "Dr. Ambedkar and An Analysis of Indian Democracy", सह लेखन, 'बिहार जर्नल ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन' में "समान नागरिक संहिता और नारीवाद" तथा 'ग्लोबल थाट' में "सामाजिक न्याय की आस में वृन्दावन की विधवाएँ" आलेख प्रकाशित किये गए हैं। उनके 'वाक सुधा' में "नारीवाद की गत्यात्मकता" और लोक प्रकाशन में "भारत में सामाजिक कार्यवाही" विषय पर आलेख भी प्रकाशित हुए हैं।

सुश्री नेहा किशोर ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सम्मेलन में "Immigration, Cultural Diversity and Legal System in the United Kingdom" और ओहियो विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित संगोष्ठी में "Resilience in Global Research and Engagement during the Pandemic" विषय पर अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए।

डॉ. हरीश चंद्र ने मेवाड़ लाल संस्थान में "International Human Rights, Regimes and Indian Perspective" विषय पर व्याख्यान दिया।

डॉ. अनामिका को सेंटर फॉर रशियन एंड सेंट्रल एशियन स्टडीज,स्कूल ऑफ इंटरनेशनल रिलेशंस,जे.एन.यू द्वारा "Russia's Nuclear Energy Policy towards India – A Case Study of Kudankulam Nuclear Power Project" विषय पर पीएच.डी की उपाधि प्रदान की गई।

डॉ. रवींद्र कुमार मीणा को दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा पीएच.डी की उपाधि प्रदान की गई। उनके थीसिस का शीर्षक है "Bangladesh Mein Islamic Ugrawad Ki Rajniti: 1990 Ke Baad"

संस्कृत विभाग

डॉ. दिलीप कुमार झा ने संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय और महर्षि संदीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित वैदिक साहित्य में विज्ञान और प्रौद्योगिकी विषयक तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी (23 अक्टूबर-25 अक्टूबर, 2021) में 'वैदिक साहित्य में सैन्य विज्ञान' शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किया। वर्तमान में वे इग्नू, के संस्कृत पाठ्यक्रम समिति के सदस्य हैं।

सांख्यिकी विभाग

डॉ. मिथिलेश कुमार झा ने एनआईएसएम द्वारा आयोजित दूसरे वार्षिक पूंजी बाजार सम्मेलन-2021 "Investors Interest and Innovative Instruments" में "Stock Return Seasonality in Emerging Asian Markets" विषय पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया। इसके अतिरिक्त Management Dynamics & COVID Pandemic पुस्तक में 'Indian Stock Market and COVID-19: A Sectoral Analysis' शीर्षक से उनका एक अध्याय भी प्रकाशित हुआ।

विभागीय गतिविधियाँ

कंप्यूटर साइंस विभाग

विभाग ने छात्रों के लिए "Responsive Web Designing using Bootstrap" विषय पर 30 घंटे के प्रमाण-पत्र कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में 55 छात्रों की सक्रिय भागीदारी रही। विभाग के सदस्यों द्वारा कंप्यूटर विज्ञान के क्षेत्र में चल रहे विभिन्न प्रकार के कार्यों को समझने और उन पर चर्चा करने के लिए पूरे सत्र में शोध-वार्ताएँ आयोजित की गई।

विभाग द्वारा 5 मार्च, 2022 से 11 मार्च, 2022 तक 'Natural Language processing and its applications' विषय पर एक सप्ताह का संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न विश्वविद्यालयों के 65 संकाय सदस्यों की भागीदारी रही।

परिकलन

कंप्यूटर विज्ञान विभाग की सोसाइटी 'परिकलन' ने शैक्षणिक वर्ष 2021-22 के दौरान अनेक अंतःमहाविद्यालयी कार्यक्रमों का आयोजन किया। सोसाइटी के द्वारा 29 नवंबर, 2021 को 'क्विजार्ड' शीर्षक से एक तकनीकी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता और 19 जनवरी, 2022 को 'Brisk Portrayal' शीर्षक से एक स्लाइड प्रतियोगिता आयोजित की गई।

सोसायटी ने 24 जनवरी, 2022 से 28 जनवरी, 2022 तक 'Data Science in Collaboration with Teenage Coder' विषय पर पाँच दिवसीय कार्यशाला और 8 फरवरी, 2022 को "These tags need you" विषय पर एक वेब-डेवलपमेंट प्रतियोगिता आयोजित की। विभाग का एनुअल टेक्निकल उत्सव 'Xenium'22' 8 अप्रैल, 2022 को आयोजित किया गया था।

वाणिज्य विभाग

कॉमर्सियम

जुलाई और अगस्त के महीने में कॉमर्सियम ने वेबिनार की एक श्रृंखला आयोजित की। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के सहयोग से Gamification of Finance विषय पर 15 जुलाई 2021 को एक वेबिनार का आयोजन किया। इसके पश्चात Decoding Crypto currency और How to dominate the next decade विषयों पर ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया। सितंबर के मध्य में कॉमर्सियम ने विवादास्पद विज्ञापनों के बारे में आम जनता को शिक्षित करने के लिए ADs BACKFIRED नाम से Reels की एक श्रृंखला पोस्ट की। संध्या क्रिप्टोकरेंसी पर एक श्रृंखला शुरू की जिसका नाम "CRYPTO-DHAN" है। इस कार्यक्रम से क्रिप्टोकरेंसी के बारे में अत्यधिक उपयोगी और ज्ञानवर्धक सूचनाएँ प्राप्त हुई।

एनालिटिका

वाणिज्य विभाग की एकेडमिक एंड रिसर्च सोसाइटी, 'एनालिटिका' ने 7 अगस्त, 2021 को Empowering investors towards the Investments in Security Market विषय पर एक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया। इसके अलावा एनालिटिका ने 'Lean Six

Sigma and its relevance in Future Business Transformation' विषय पर एक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया। 10 दिसंबर से 16 दिसंबर, 2021 तक वाणिज्य विभाग महात्मा हंसराज फैकल्टी डेवलपमेंट सेंटर, हंसराज कॉलेज के सहयोग से Select Issues of IND AS विषय पर एक सप्ताह का अंतःविषयक (ऑनलाइन) संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किया गया।

अर्थशास्त्र विभाग

23 अगस्त, 2021 को प्रोफेसर अश्विनी महाजन ने 'भारत-चीन व्यापार पर डंपिंग रोधी कर्तव्यों के प्रभाव का विश्लेषण' विषय पर अपना व्याख्यान दिया। यह शृंखला 26 मार्च 2022 तक जारी रही। 8 अक्टूबर, 2021 को डॉ. एलेक्स एम. थॉमस (अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय) द्वारा 'समष्टि अर्थशास्त्र : सिद्धांत और नीतियां' विषय पर एक व्याख्यान दिया गया। अर्थशास्त्र विभाग ने 12 अप्रैल 2022 से विद्यार्थियों के लिए एक अल्पकालिक प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम का आयोजन किया।

इकोलिब्रियम

इकोलिब्रियम ने अपना न्यूजलेटर 'द इकोलिब्रियम' लॉन्च किया। न्यूजलेटर के इस संस्करण में Behavioural Economics, China's Global Takeover and Financing the Covid Vaccines जैसे विषय शामिल रहे।

गणित विभाग

गणित विभाग 26 जुलाई से 12 अगस्त 2021 तक 'Statistical Concepts and Ordinary Differential Equations in R' विषय पर 15 दिनों का ऑनलाइन प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम के वक्ताओं में डॉ एम. रामकृष्णन, डॉ धर्मेंद्र कुमार थे। विभाग ने एक ऑनलाइन अध्ययन मंच शुरू किया है जिसके तहत हमारे संकाय सदस्यों और छात्रों के बीच शोध विचारों का आदान-प्रदान किया जाता है।

गणित विभाग ने कंप्यूटर विज्ञान विभाग के साथ ब्लॉकचैन पर एक वेबिनार का आयोजन किया जिसका शीर्षक था 'उद्योग 4.0 और भविष्य पर प्रभाव'। मुख्य वक्ता श्री जीवन सैनी थे और श्री सतीश खोसला विशिष्ट अतिथि थे।

सांख्यिकी विभाग

सांख्यिकी

सोसायटी ने 03 मार्च, 2022 को "How to do a Data Science Project Step by Step" विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया। इस वेबिनार में बतौर वक्ता श्रीजीत

मुखर्जी, (I.S.I.) ने अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया। इसके पश्चात 14-15 अप्रैल, 2022 को 'SKEWSION' नामक विभागीय उत्सव आयोजित किया गया।

पर्यावरण अध्ययन विभाग

विभाग ने शैक्षणिक वर्ष 2021-2022 में 1 अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, 2 अंतरराष्ट्रीय सेमिनार, 10 राष्ट्रीय सेमिनार और 1 राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित किया, जिसमें पर्यावरण के क्षेत्र की कुछ प्रतिष्ठित हस्तियों जैसे पदम भूषण डॉ. अनिल पी. जोशी, पूर्व वीसी प्रो. दीनबंधु साहू, डॉ. अनाली बस्टोस (अर्जेंटीना), डॉ. मनमीत रावत (यूएसए), डॉ. राम करण (यूएई) आदि को व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया। विभाग ने पत्ती-कूड़े के प्रबंधन और कॉलेज के लॉन और बागवानी के लिए खाद का उत्पादन करने के लिए एक वर्मीकम्पोस्टिंग बैड भी स्थापित किया। विभाग ने कॉलेज परिसर में हर्बल गार्डन भी स्थापित किया है। विभाग ने हाल ही में अनुसंधान करने वाले छात्रों को प्रशिक्षित करने के लिए परिसर में एक पर्यावरण विज्ञान प्रयोगशाला की स्थापना की है।

इतिहास विभाग

इतिहास विभाग, पीजीडीएवी कॉलेज ने 'द इंडियन आर्कियोलॉजिकल सोसाइटी' के सहयोग से ऑनलाइन मोड में 17 जनवरी से 16 फरवरी, 2022 तक 'पुरातत्व का परिचय' नामक एक महीने का सर्टिफिकेट कोर्स सफलतापूर्वक आयोजित किया। इसके कुल 38 तकनीकी सत्रों में लगभग 500 प्रतिभागियों ने भाग लिया। देश के शीर्ष पुरातत्वविदों ने पाठ्यक्रम में व्याख्यान दिए।

सोसाइटी धरोहर ने 12 अप्रैल, 2022 को 'काफिला' नामक अपने वार्षिक उत्सव का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रख्यात इतिहासकार प्रो. कपिल कुमार थे। प्रसिद्ध लेखक अनुज धर भी इस वार्ता में शामिल हुए।

राजनीतिशास्त्र विभाग

संवाद

विश्व हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में संवाद ने 14 जनवरी, 2022 को 'हिंदी साहित्य में राष्ट्र का विचार' विषय पर वेबिनार का आयोजन किया, जिसमें वक्ता के रूप में डॉ. अवनिजेश अवस्थी ने अपने विचार साझा किए। 24-26 जनवरी 2022 को संवाद ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर 'Know your Republic' कार्यक्रम का आयोजन किया। इस समारोह में पद्मश्री राम बहादुर राय ने भारतीय संविधान के निर्माण पर अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया। 8

मार्च, 2022 को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एक ओपन माइक प्रतियोगिता और चर्चा का आयोजन किया गया।

हिंदी विभाग

हिंदी विभाग द्वारा नवीन विषयों और साहित्य के नवीन संदर्भों को केंद्र में रखते हुए एक व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया जिसके अंतर्गत 13 अगस्त, 2021 को विभाग की वरिष्ठ प्राध्यापिका डॉ. वीणा ने 'हिंदी साहित्य में गद्य का विकास' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। 28 अगस्त, 2021 को डॉ. अवनिजेश अवस्थी ने भक्तिकाल के संदर्भ में अपने महत्त्वपूर्ण और नवीन विचार प्रस्तुत किए।

हिंदी विभाग एवं 'हिंदुस्तानी अकादमी' प्रयागराज के संयुक्त तत्त्वावधान में 'हिंदी साहित्य में राष्ट्रीय चेतना के स्वर' विषय पर 27 अक्टूबर, 2021 को राष्ट्रीय संगोष्ठी का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

चिंतन

'चिंतन' द्वारा हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में 13 सितंबर 2021 को 'हिंदी के विकास में भारतेन्दु हरिश्चंद्र का योगदान' विषय पर वेबिनार आयोजित किया गया। इस वेबिनार में वक्ता प्रो. ओमप्रकाश सिंह (अध्यक्ष, भारतीय भाषा केंद्र, जे.एन.यू, नई दिल्ली) थे।

'चिंतन' हिंदी साहित्य सभा द्वारा 'अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस' के अवसर पर 21 फरवरी, 2022 को 'मातृभाषा का महत्त्व' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता महाविद्यालय के पूर्व-प्राचार्य एवं प्रसिद्ध भाषाविद डॉ. मुकेश अग्रवाल थे।

अंग्रेजी विभाग

अंग्रेजी विभाग ने "Trajectories of Popular Culture and Globalization' विषय पर एक अल्पकालिक ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स का आयोजन किया। जो 27 सितंबर 2021 से 8 अक्टूबर, 2021 तक आयोजित किया गया। इसमें पूरे देश से पचास प्रतिभागियों ने सफलतापूर्वक भाग लिया।

इक्लेक्टिका

इक्लेक्टिका ने स्वरचित काव्य पाठ प्रतियोगिता और ऑनलाइन पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की बुक क्लब वर्डपेकर्स द्वारा खालिद होसैनी की पुस्तक 'द काइट रनर' और एफ. स्कॉट फिट्जगेराल्ड की पुस्तक 'द ग्रेट गैट्सबी' पर चर्चा की गई। इसके अतिरिक्त इंतिज़ार हुसैन की 'बस्ती' पर जामिया मिल्लिया इस्लामिया के प्रो. निशांत जैदी के व्याख्यान का आयोजन हुआ।

संस्कृत विभाग

इस सत्र में संस्कृत विभाग द्वारा 02 मार्च, 2022 को विभागीय स्तर पर एक संस्कृत श्लोक गायन प्रतियोगिता आयोजित की गई।

शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान विभाग

'श्री कालका जी रन' का आयोजन 23.02.2022 को प्रातः 8:30 बजे महाविद्यालय से श्री कालका जी मंदिर तक किया गया। इसमें लगभग 60 छात्र, शिक्षण कर्मचारी, गैर-शिक्षण कर्मचारी और सेवानिवृत्त डॉ. पी.पी. रंगनाथन ने भाग लिया। सत्र 2021-22 के दौरान विभाग की प्रमुख उपलब्धियाँ थीं-

1. बी.एस.सी. मैथमैटिकल साइंस के तृतीय वर्ष के छात्र हेमंत कुमार ने 'वॉलीबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया' द्वारा आयोजित सीनियर नेशनल और फेडरेशन कप वॉलीबॉल टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक जीता।
2. बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी के तृतीय वर्ष के छात्र आदित्य शर्मा ने बी.सी.सी.आई. द्वारा आयोजित अंडर-25 एक दिवसीय क्रिकेट ट्रॉफी में भाग लिया।
3. बी.ए. प्रोग्राम तृतीय वर्ष की छात्रा पारुल सैनी ने 'द नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया' द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की विभिन्न एयर पिस्टल प्रतियोगिताओं में भाग लिया।

आईक्यूएसी (IQAC)

आईक्यूएसी को महाविद्यालय प्रशासन, महाविद्यालय की सोसाइटियों और विभागों द्वारा शुरू की गई परियोजनाओं की गुणात्मक पहल और सुविधा सुनिश्चित करने में अपनी भूमिका पर गर्व है। इस वर्ष आईक्यूएसी ने संकाय सदस्यों की पदोन्नति की प्रक्रिया को सुचारू बनाने में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया। आईक्यूएसी ने प्रोफेसर स्तर के तीन पदोन्नति के साथ 114 शिक्षकों को पदोन्नति प्राप्त करने में मदद की। साथ ही 11 गैर-शिक्षण कर्मचारियों की पदोन्नति में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

कोविड-19 के बावजूद IQAC द्वारा कॉलेज की सभी गतिविधियों में सुधार लाने और उनके कार्यान्वयन के हर चरण में सहायता प्रदान की गईं। सभी विभागों को साल भर वेबिनार और सेमिनार आयोजित करने के लिए प्रोत्साहित भी किया गया।

छात्रों में सीखने की क्षमता विकसित करने के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अलावा आठ

ऑनलाइन छात्र-प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम आयोजित किए गए। आईक्यूएसी के मार्गदर्शन में एक उद्यमिता प्रकोष्ठ भी स्थापित किया गया।

कॉलेज की समाज और पर्यावरण के प्रति जागरूकता को ध्यान में रखते हुए हरित पर्यावरण में सुधार के लिए अनेक परियोजनाएँ शुरू की गईं। कॉलेज परिसर के भीतर फलों का बगीचा और देशी पेड़ लगाए गए हैं।

पुस्तकालय

इस सत्र में 7,48,826/- रुपये की कुल 1038 पुस्तकें खरीदी गईं। वर्तमान में पुस्तकालय में 1,02,036 पुस्तकें और 4433 सजिल्द पत्रिकाएँ हैं। पुस्तकालय में लगभग 65 पत्रिकाएँ और 17 समाचार पत्र नियमित रूप से प्राध्यापकों और विद्यार्थियों द्वारा पढ़े जाते हैं। पुस्तकालय पूरी तरह से कम्प्यूटरीकृत है और सभी कार्य दिवसों में यह सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक खुला रहता है। इस वर्ष 3500 छात्रों और संकाय सदस्यों को एन लिस्ट संसाधनों से जोड़ा गया और वे इस सुविधा से अत्यधिक लाभान्वित हुए। साथ ही सभी संकाय सदस्यों और छात्रों को 'डीयूएलएस ई संसाधनों' तक पहुँच प्रदान की जाती है। ई-संसाधनों के अधिकतम उपयोग और शैक्षणिक उद्देश्य के लिए, इंटरनेट ब्राउज़िंग की सुविधा के लिए, कॉलेज छात्रों के लिए 23 टर्मिनलों के साथ ई-लाइब्रेरी विकसित की गई है। पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं के लिए बैठने की आरामदायक व्यवस्था, साथ ही नव विकसित अनुभाग संदर्भ भी खोला गया है।

लाइब्रेरी बुक बैंक : हमारे पास जरूरतमंद छात्रों के लिए 12497 पुस्तकों का एक बहुत समृद्ध बुक बैंक है। विद्यार्थी साल में दो बार इस सुविधा का लाभ उठाते हैं।

दिव्यांगजन के लिए पुस्तकालय सेवाएँ : महाविद्यालय पुस्तकालय अनेक सहायक उपकरणों और सॉफ्टवेयरों के माध्यम से दिव्यांग उपयोगकर्त्ताओं की सहायता करता है। दृष्टिबाधित छात्रों को ब्रेल पुस्तकालय और ध्वनि रिकॉर्डिंग की सुविधा भी प्रदान की जाती है। इस उद्देश्य के लिए पांच कंप्यूटर वर्क स्टेशन उपलब्ध हैं।

पुस्तकालय गतिविधियाँ : आईक्यूएसी के तत्त्वावधान में कॉलेज के पुस्तकालय ने 'अंडरस्टैंडिंग रिसर्च मेट्रिक्स' विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया। कॉलेज के नए छात्रों के लिए सूचना साक्षरता कार्यक्रम के रूप में चार दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कॉलेज पुस्तकालय ने 2 से 3 मार्च 2022 तक पुस्तक मेले का भी आयोजन किया जिसमें मुख्य अतिथि प्रो. के.पी. सिंह और विशिष्ट अतिथि प्रो. ए.के. भागी ने हमारे जीवन में पुस्तकों के महत्त्व को बताया और डिजिटल साक्षरता की आवश्यकता पर जोर दिया।

राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS)

राष्ट्रीय सेवा योजना ने शैक्षणिक वर्ष 2021-22 के दौरान निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए हैं:-

1. दो दिवसीय पुस्तक दान अभियान।
2. रेड क्रॉस सोसायटी के सहयोग से रक्तदान शिविर।
3. उप परियोजना HOPE के साथ प्रोजेक्ट 'फूड डोनेशन' कार्यक्रम चलाया।
4. टीकाकरण जागरूकता अभियान और कोविड जागरूकता अभियान।
5. नुक्कड़ नाटक और सेनेटरी पैड वितरण अभियान। झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले बच्चों में शिक्षा के प्रति जागरूकता एवं सहायता प्रदान। साथ ही उनके लिए अपने महाविद्यालय में सप्ताह में दो दिन शिक्षा की व्यवस्था।
6. आज़ादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत उप परियोजनाएँ शामिल हैं- सतर्कता जागरूकता सप्ताह, मानव कल्याण योग विज्ञान ट्रस्ट, स्वतंत्रता रन और अंतरराष्ट्रीय योग सप्ताह के तहत 14 दिनों के लिए 12 योग सत्र।
7. दस से अधिक विषयों पर 15 ऑनलाइन वेबिनार।
8. 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर ऑफलाइन संगोष्ठी।

एन. सी. सी. (राष्ट्रीय कैडेट कोर)

वर्ष 2021-22 सत्र के दौरान एनसीसी कैडेटों ने अंतरराष्ट्रीय योग-दिवस, सामूहिक टीकाकरण अभियान, एनसीसी डिजिटल फोरम, स्वर्णिम विजय वर्षा, फिट इंडिया अभियान और अन्य कई गतिविधियों में बड़ी संख्या में भाग लिया। हमारे कैडेट्स ने DIKSHA ऐप के जरिए कोविड-19 का प्रशिक्षण प्राप्त किया।

इसके अतिरिक्त ईबीएसबी, एडवेंचरस ट्रेकिंग कैंप, संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर, भारतीय सैन्य अकादमी अटैचमेंट कैंप, पैरा-स्लाइडरिंग, एसएनआईसी, पीएम रैली और विजय पर्व जैसे शिविरों में कैडेटों की भागीदारी रही।

जे.यू.ओ. हरिओम और सी.डी.टी. प्रीति ने 'पीएम रैली कल्चरल कैंप' में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रतिष्ठित 'ADG Appreciation Award' प्राप्त किया।

इसी वर्ष जे.यू.ओ प्रियवंश, सुधीर सिंह चौहान और आशीष भट्ट ने 2022 के प्रतिष्ठित 'रिपब्लिक डे' परेड कैंप में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

प्लेसमेंट सेल

इस वर्ष प्लेसमेंट के लिए परिसर में EY, Deloitte, PwC और WTW जैसी कंपनियां आईं। इसमें पाँच सौ से अधिक छात्रों ने आवेदन किया, जिनमें से सौ से अधिक छात्रों को आईसीआईसीआई, विप्रो, कॉन्वेंट, आदित्य बिड़ला, टॉपहेयर, ट्रेसविस्टा, फ्रैक्टल एनालिटिक्स, एनआईआईटी, आईएसए ग्लोबल आदि कंपनियों में अवसर प्राप्त हुआ। बिग फोर फर्मों में कार्य करने वाले छात्रों की संख्या में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। डेलॉइट की भर्ती में 1200% की वृद्धि हुई। औसत पैकेज 5.75 लाख प्रतिवर्ष (पिछले वर्ष की तुलना में 23.1263% अधिक) है। उच्चतम पैकेज 23 लाख प्रतिवर्ष रहा।

सशुल्क इंटर्नशिप, लाइव प्रोजेक्ट, स्वयंसेवा और फेलोशिप कार्यक्रमों में वृद्धि रही। लगभग दो सौ कंपनियां 70 डोमेन में इंटर्नशिप ऑफर लेकर आई और यह संख्या अभी भी बढ़ रही है। अब तक दो सौ से अधिक छात्रों का चयन किया जा चुका है। इस वर्ष सबसे अधिक स्टाइपेंड 1,25,000 प्रति माह (पिछले वर्ष की तुलना में 92.3077% अधिक) था, जो ProAce इंटरनेशनल द्वारा दिया गया था, जबकि औसत स्टाइपेंड 8,500 प्रति माह था। पचास से अधिक पूर्व छात्रों को भी अवसर प्राप्त हुए जिनका पैकेज 12 लाख प्रतिवर्ष रहा।

छात्रों को प्लेसमेंट की तैयारी के बारे में जानकारी प्रदान करने के लिए एक तीन-दिवसीय प्लेसमेंट प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसके बाद हमने पूरे भारत में छात्रों के लिए 12-दिवसीय करियर रेडीनेस बूटकैंप लॉन्च किया, जिसमें उद्योग जगत की विभिन्न हस्तियों ने छात्रों को संबोधित किया। सीवी बिल्डिंग, फोटोशॉप, फ्रीलांसिंग आदि जैसे एकीकृत विषयों पर कई वेबिनार आयोजित किए। सेल ने कौरसेरा, माइक्रोसॉफ्ट आदि के माध्यम से विभिन्न ऑनलाइन पाठ्यक्रमों के साथ छात्रों की मदद की। सेल ने करियर लॉन्चर, डेलॉइट आदि के सहयोग से विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। इस साल एक नई ब्लॉग श्रृंखला 'Hear' पूर्व छात्रों द्वारा शुरू की गई है।

इस साल, सेल का प्रमुख कार्यक्रम कन्वर्ज' 22' वस्तुतः एक अद्वितीय 3डी प्लेटफॉर्म पर आयोजित किया गया था, जिसमें अस्सी से अधिक कंपनियों ने पचास से अधिक प्रोफाइल में इंटर्नशिप की पेशकश की, जिसमें प्रोएस इंटरनेशनल द्वारा प्रति माह 1,50,000 रुपये का उच्चतम स्टाइपेंड दिया गया था। इस साल भी हमारे साथ जियो, जियो क्रिएटिव लैब्स, मेक अ डिफरेंस, टीच फॉर इंडिया, बजाज कैपिटल, वाइज फिनसर्व, ट्रेडशाला, डेकाथलॉन, फीडो, प्रथम आईआईएफएम और कूजीज सहित कई अन्य शीर्ष कंपनियां थीं।

छात्र संघ

महाविद्यालय में छात्रसंघ का चुनाव प्रतिवर्ष होता है। कोरोना महामारी के कारण 2019-20 के पश्चात् संघ का चुनाव नहीं हो सका। 2019-20 छात्र संघ के सभी छात्र प्रतिनिधि कॉलेज से पास आउट हो चुके हैं। उस छात्र संघ से छात्र प्रतिनिधि सर्वांग अवाना यहां उपस्थित हैं।

हाइपीरियन (The Cultural Society)

वर्ष 2021-22 का सत्र पीजीडीएवी महाविद्यालय की सांस्कृतिक समिति हाइपीरियन के लिए विशेष रहा। इस सत्र के दौरान हाइपीरियन द्वारा ऑनलाइन और ऑफलाइन अनेक कार्यक्रम और प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। हाइपीरियन के अन्तर्गत विभिन्न सोसाइटी के छात्रों ने विभिन्न अंतरराष्ट्रीय/राष्ट्रीय और विश्वविद्यालय स्तर के कार्यक्रमों में भाग लिया और इस सत्र में अब तक उन्हें 129 पुरस्कार प्राप्त हो चुके हैं।

हाइपीरियन द्वारा प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए 'एक्सप्लोरांज़ा' में 24 अलग-अलग प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई, जिसमें छात्रों ने असाधारण प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

हाइपीरियन द्वारा 25 जनवरी, 2022 को 'राष्ट्रीय मतदाता दिवस' के अवसर पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत दो प्रतियोगिताएं 'पब्लिक-स्पीकिंग' और 'पोस्टर मेकिंग' आयोजित की गईं जिसमें बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

हाइपीरियन द्वारा महाविद्यालय का वार्षिकोत्सव 'आगाज़' 22' 5 और 6 अप्रैल, 2022 को मिश्रित मोड में आयोजित किया गया। इस वर्ष हमारे उत्सव का थीम 'स्पंदन' #celebratingvibrancy था। इसके अंतर्गत विभिन्न श्रेणियों में 26 प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं, जिनमें 9 कॉलेज परिसर में और शेष वर्चुअल माध्यम से आयोजित की गई। आगाज़'22 का समापन समारोह ऑनलाइन आयोजित किया गया, जिसमें सभी विजेताओं की घोषणा की गई।

एनेक्टस (Enactus)

एनेक्टस वर्तमान में 3 सामाजिक उद्यमिता प्रोजेक्ट कोराकागज़, प्रोजेक्ट निस्तारण, प्रोजेक्ट सुगंध और एक मानसिक स्वास्थ्य पहल प्रोजेक्ट आशा चला रहा है। एनेक्टस की वर्ष 2021-22 की अन्य उपलब्धियां इस प्रकार हैं:

एनेक्टस टीम ने एनेक्टस इंडिया के Passion for Purpose कार्यक्रम में भाग लिया और सबसे अधिक व्यस्त POP के रूप में खड़ा रहा।

जून 2021 में प्रोजेक्ट सुगंध, प्रोजेक्ट निस्तारण और प्रोजेक्ट कोरा कागज़ ने स्वच्छता अभियान के अन्तर्गत Waste to Wealth कार्यक्रम के तहत भारत सरकार और इन्वेस्ट इंडिया द्वारा फेलोशिप प्राप्त की। इसके अंतर्गत टीम के तीन छात्र प्रति माह 1200 रुपये की छात्रवृत्ति प्राप्त कर रहे हैं।

प्रोजेक्ट HOPE के तहत टीम ने मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों के साथ विभिन्न विषयों पर मानसिक स्वास्थ्य की परेशानियों से जूझ रहे लोगों के लिए निःशुल्क सलाह (ऑनलाइन) कार्यक्रम आयोजित किए।

जियो-क्रुसेडर्स : द एनवायरनमेंटल सोसाइटी

इस वर्ष सोसाइटी ने ईवीएस विभाग पीजीडीएवी कॉलेज, एमएलएस विश्वविद्यालय उदयपुर, वाईएसएसएआई, केईईआईएडी और कई अन्य प्रमुख संस्थानों के सहयोग से कई अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय सम्मेलन, सेमिनार और वेबिनार आयोजित किए। सोसाइटी ने पर्यावरण से संबंधित कई महत्त्वपूर्ण दिवस भी मनाए, जैसे 3 जुलाई 2021 को अंतरराष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस, 10 अगस्त 2021 को विश्व सिंह दिवस, 12 अगस्त 2021 को विश्व हाथी दिवस, 2 दिसंबर 2021 को भोपाल गैस त्रासदी दिवस, 21 मार्च 2022 को अंतरराष्ट्रीय वन दिवस, 22 मार्च 2022 को जल दिवस, 5 जून 2021 को विश्व पर्यावरण दिवस, 22 अप्रैल 2021 को पृथ्वी दिवस, 16 सितंबर 2021 को विश्व ओजोन दिवस आदि।

स्पिक मैके

पीजीडीएवी कॉलेज के स्पिक मैके चैप्टर ने 21 सितंबर 2021 को एक ऑनलाइन हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत का आयोजन किया। इस आयोजन में प्रख्यात हिंदुस्तानी गायिका विदुषी कलापिनी कोमकली (पंडित कुमार गंधर्व की बेटी) ने अपनी मधुर प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया।

सतर्क (The Consumer Club)

सतर्क ने वर्ष 2021-22 में निम्नलिखित गतिविधियों का आयोजन किया-

1. Knowledge Sharing Sessions के अन्तर्गत 'Data Breach' विषय पर 13 अगस्त, 2021 को वेबिनार आयोजित किया गया।
2 कंसुमर्स वेबिनार 11 सितंबर, 2021 को डॉ. जयश्री गुप्ता द्वारा आयोजित किया गया।
3. काव्यांजलि 2.0 (इंटर कॉलेज ऑनलाइन कविता प्रतियोगिता) 27 सितंबर से 10 अक्टूबर 2022 तक आयोजित की गई।

4. 'फ्यूचर इज डिजिटल एंड हाउ डिजिटल मार्केटिंग इज फ्यूचर- प्रोफेशनल करियर' विषय पर 09 अक्टूबर, 2021 को वेबिनार आयोजित किया गया।
5. 19 अक्टूबर 2021 से 05 नवंबर 2021 तक रील मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
6. Knowledge Sharing Sessions के अन्तर्गत 'Net Banking- A Blessing or Curse ?' विषय पर 30 अक्टूबर, 2021 को वेबिनार आयोजित किया गया।
7. Knowledge Sharing Sessions के अन्तर्गत 'Social Entrepreneurship and its Impact on Consumers' विषय पर 06 फरवरी, 2022 को वेबिनार आयोजित किया गया।
8. 15 फरवरी से 05 मार्च 2022 तक Memezaar2.0 (इंटर कॉलेज मेमे-मेकिंग प्रतियोगिता) आयोजित किया गया।

अंकुर

अंकुर महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका है। पत्रिका का उद्देश्य विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा और अभिव्यक्ति को विकसित करना है। पत्रिका में विद्यार्थियों द्वारा लिखित गद्य और पद्य को प्रकाशित किया जाता है। साथ ही पत्रिका में कॉलेज और विभागों द्वारा वर्ष भर में आयोजित कार्यक्रमों और गतिविधियों का विवरण भी रिपोर्ट के रूप में प्रस्तुत किया जाता है।

इस वर्ष पत्रिका के मुख्य संपादक डॉ. मनोज कुमार कैन और उनके सहयोगी संपादक सुश्री उमा गुप्ता, डॉ. रेशमा तबस्सुम, डॉ. प्रीतिका नेहरा (अंग्रेजी); डॉ. दिलीप कुमार झा, डॉ. रोहित कुमार, डॉ. प्रमिता मिश्रा (संस्कृत); डॉ चैनसिंह मीना, डॉ संदीप कुमार रंजन (हिन्दी) हैं।

डॉ. भीमराव अंबेडकर स्मृति व्याख्यानमाला 2022

महाविद्यालय में 18 अप्रैल, 2022 को गत वर्षों की भाँति डॉ. अंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में 'डॉ.भीमराव अंबेडकर स्मृति व्याख्यानमाला' का आयोजन किया गया। यह व्याख्यानमाला 2014 से प्रत्येक वर्ष आयोजित की जा रही है। श्री अर्जुन राम मेघवाल, प्रो. विवेक कुमार, डॉ. विजय सोनकर शास्त्री, श्री नरेंद्र जाधव और प्रो. श्योराज सिंह बेचैन को इसके अंतर्गत वक्तव्य के लिए आमंत्रित किया जा चुका है।

डिलिजेंटिया- महाविद्यालय का उद्यमिता प्रकोष्ठ

डिलिजेंटिया ने उद्योग जगत के विशेषज्ञों और उद्यमियों के साथ लगभग 10 वेबिनार, वार्ताएँ, कार्यशालाएँ और कौशल सीखने के सत्र आयोजित किए हैं। प्रत्येक कार्यक्रम में दिल्ली विश्वविद्यालय के साथ-साथ अन्य शैक्षणिक संस्थानों के छात्रों की शानदार भागीदारी रही। यह सेल देश का पहला प्रकोष्ठ था जिसने अपने छात्रों के साथ चर्चा के लिए लोकप्रिय और प्रेरणादायक टीवी शो शार्क टैंक इंडिया के प्रतिभागियों की मेजबानी की। सेल ने मार्च 2022 में प्रोजेक्ट गुलाबो नामक एक social entrepreneurship cum hands on training venture भी लॉन्च किया, जिसमें हर्बल गुलाल की खरीद, पैकेजिंग, लेबलिंग, मार्केटिंग और बिक्री शामिल है।

काईजन (The Career Counseling Club)

डॉ ज्योति अहलूवालिया ने "आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में व्यवसाय के अवसर" विषय पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया। श्री मुकुंद ठाकुर(आई.ए.एस. -2020) ने "सिविल सेवा परीक्षा के लिए तैयारी व रणनीति" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। इसके पश्चात कॉलेज के उद्यमिता प्रकोष्ठ डिलिजेंटिया के साथ काईजन ने एक कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें श्री सुदीप कपूर द्वारा "खाद्य और पेय उद्योग में उद्यमिता" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। सुश्री रुचिका कनोई ने "Social work as Career" नामक विषय पर व्याख्यान दिया। CPA संकल्प सचदेव का "कैरियर इन फाइनेंस" व एडवोकेट विभूति मिश्रा का "करियर इन लॉ" विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया।

सुश्री आकांक्षा पाराशर ने अपनी बातचीत और आत्म-मूल्यांकन अभ्यास व माइंडफुल जर्नलिंग के द्वारा जीवन में सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने पर प्रकाश डाला। दीपा हलदर ने "Overview of Business Research- What, Why & How" विषय पर विचार प्रस्तुत किए, जिसके बाद क्रमशः "रेडियो कलाकार के रूप में कैरियर" और "कलाकार के रूप में कैरियर" विषय पर श्री विशाल पांडे और श्री मरियप्पा मार्टिन द्वारा वक्तव्य प्रस्तुत किया गया।

भारतीय संस्कृति सभा

भारतीय संस्कृति सभा का प्रथम कार्यक्रम 7 फ़रवरी, 2022 को आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य वक्ता प्रो. विवेक कुमार रहे। कार्यक्रम का शीर्षक था- "आधुनिक विज्ञान और भारतीय ज्ञान परम्परा"।

सभा का दूसरा कार्यक्रम महर्षि दयानन्द सरस्वती जयंती के अवसर पर 26 फ़रवरी 2022

को आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रो. सुधीर कुमार थे। कार्यक्रम का विषय था "राष्ट्रनिर्माण में महर्षि दयानंद का योगदान"।

तीसरा कार्यक्रम 23 मार्च, 2022 को 'शहीद दिवस' के अवसर पर आयोजित किया गया। शहीद भगत सिंह पर व्यापक शोध कर चुके डॉ. चंद्रपाल सिंह इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता थे। उन्होंने "शहीदे आज़म भगत सिंह : अपने समकालीनों की नज़र में" शीर्षक अपने वक्तव्य में भगत सिंह के जीवन के कुछ अनछुए पहलुओं पर प्रकाश डाला।

नॉर्थ ईस्ट सेल

नॉर्थ ईस्ट सेल लगातार अपने क्षेत्र के सदस्यों को सहायता प्रदान करता आ रहा है। सेल के सदस्यों ने इंस्टाग्राम पेज के माध्यम से एक हेल्पलाइन शुरू की है। इस पेज की सहायता से न सिर्फ पीजीडीएवी महाविद्यालय बल्कि दिल्ली विश्वविद्यालय के अन्य महाविद्यालयों में प्रवेश लेने वाले उत्तर-पूर्व के छात्रों का भी उन्होंने मार्गदर्शन किया है। 7 अप्रैल, 2022 को पीजीडीएवी (ई) महाविद्यालय के नॉर्थ ईस्ट सेल के सदस्यों के साथ सेल के छात्रों ने खेल दिवस मनाया।

आजादी का अमृत महोत्सव - भारत की आजादी के 75 साल

यह वर्ष भारतीय स्वतंत्रता का 75वां वर्ष है। 'आजादी का अमृत महोत्सव' शृंखला के अन्तर्गत अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गये। यह उत्सव जुलाई में 'भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में महात्मा गांधी की भूमिका' विषय पर एक भाषण के साथ शुरू हुआ और इसके बाद छात्रों ने पांच अलग-अलग भारतीय भाषाओं में देशभक्ति के गीत प्रस्तुत किए। कॉलेज ने 'फ्रीडम रन', इंटर-कॉलेज निबंध प्रतियोगिता जैसे कार्यक्रम भी आयोजित किए। 'हिंदी साहित्य में राष्ट्रीय चेतना के स्वर' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी 'इंटर-कॉलेज स्लोगन' राइटिंग, 'स्वतंत्रता सेनानी', 'आत्मनिर्भर भारत', 'युवा शक्ति' और 'महिला सशक्तिकरण' विषयों पर हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। एन.एस.एस. और कॉलेज की अन्य विभिन्न समितियों ने भी आजादी का अमृत महोत्सव मनाने के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किए। वृक्षारोपण अभियान, स्वच्छता प्रतिज्ञा, एकता दिवस पर स्वच्छता अभियान, 'देशभक्ति' विषय पर अंतर-कॉलेज स्व-रचित कविता प्रतियोगिता जैसे कार्यक्रम आयोजित किए। 'मेरे सपनों का भारत', सूर्यनमस्कार, राष्ट्रीय मतदाता दिवस जागरूकता कार्यक्रम, पीपीटी मेकिंग प्रतियोगिता और वसंतोत्सव भी इसी शृंखला में आयोजित किया। शहीद दिवस, अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस और गुरु रविदास जयंती पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। 'भारत की विरासत' विषय पर अंतर-महाविद्यालय फोटोग्राफी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।

परीक्षा परिणाम

2021 में संपन्न परीक्षाओं में हमारे कॉलेज के परिणाम गौरवपूर्ण रहे। बी.कॉम. (ऑनर्स) 98.34%, बी.कॉम. (पास) 98.92%, अर्थशास्त्र (ऑनर्स) 95%, हिंदी (ऑनर्स) 84.41%, राजनीतिशास्त्र (ऑनर्स) 96.55%, इतिहास (ऑनर्स) 88.88%, गणित (ऑनर्स) 95.74%, सांख्यिकी (ऑनर्स) 94.59%, कंप्यूटर साइंस (ऑनर्स) 98.21%, अंग्रेजी (ऑनर्स) 89.83%, संस्कृत (ऑनर्स) 84.61% और बी.ए. (प्रोग्राम) का परिणाम 93.92% रहा।

इस उत्साहवर्धक परीक्षा परिणाम के लिए मैं सभी प्राध्यापकों को बधाई देती हूँ।

कॉलेज के पूर्व-छात्र संघ

पीजीडीएवी एलुमनी एसोसिएशन वर्ष 1994 से लगातार सुचारु रूप से कार्य कर रही है। अपने पूर्व विद्यार्थियों को एक सूत्र में बांधना और महाविद्यालय तथा समाज में रचनात्मक भूमिका अदा करना इसका मुख्य लक्ष्य है। यह संस्था कुख्यात रैगिंग के विपरीत कॉलेज में प्रवेश लेने वाले नवागत छात्रों का गुलाब का फूल, स्मृति चिह्न, चंदन तिलक व मिठाई से स्वागत करती है। साथ ही विद्यार्थियों को महाविद्यालय की परंपरा एवं उपलब्धियों से परिचित करवाती है। हमारे दो कार्यक्रम पारिवारिक मिलन समारोह एवं वार्षिक मिलन समारोह बहुत ही लोकप्रिय हैं। वार्षिक मिलन समारोह में पीजीडीएवी एलुमनी एसोसिएशन अपने सेवानिवृत्त गुरुजनों एवं कॉलेज के सेवानिवृत्त कर्मचारियों का शॉल, बुके व श्रीफल से सम्मान करती है। साथ ही विशेष उपलब्धि प्राप्त पूर्व छात्र को पीजीडीएवी रत्न पुरस्कार भी दिया जाता है।

सेवानिवृत्त सहकर्मी

इस सत्र के दौरान अर्थशास्त्र विभाग के श्री राजीव रतन और शारीरिक शिक्षा विभाग के डॉ. पी.पी. रंगनाथन सेवानिवृत्त हुए। मैं ईश्वर से उनके सुखद एवं स्वस्थ भविष्य की कामना करती हूँ।

माननीय अतिथिगण, मित्रों, सहयोगियों, गर्व का विषय है कि आज के हमारे वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. विनय सहस्त्रबुद्धे हैं। आप प्रखर वक्ता और गंभीर चिंतक हैं। लोकतांत्रिक शासन पद्धति के आप विशेषज्ञ हैं, इस विषय पर आप के अनेक व्याख्यान एवं लेख उपलब्ध हैं। डॉक्टर सहस्त्रबुद्धे 'रामभाऊ म्हालगी प्रबोधिनी संस्था' के प्रबंध निदेशक हैं। आप भारतीय जनता पार्टी के सुशासन और नीति अनुसंधान विभाग

के प्रमुख और पार्टी के उपाध्यक्ष हैं। The Innovation Republic: Goverance Innovations in India under Narendra Modi and Beyond a Billion Ballots आप की चर्चित पुस्तकें हैं। वर्तमान में आप राज्य सभा के सदस्य और भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद के उपाध्यक्ष हैं।

श्री अजय सूरी जी का जन्म एक प्रतिष्ठित आर्य समाजी परिवार में हुआ। आपने दिल्ली विश्वविद्यालय के हंसराज कॉलेज से स्नातक तथा उसके पश्चात चार्टर्ड अकाउंटेंसी की परीक्षा उत्तीर्ण की। आप दिल्ली विश्वविद्यालय की वित्त और भविष्य निधि समिति के सदस्य, दीनदयाल उपाध्याय अस्पताल की सलाहकार समिति के पूर्व सदस्य और बिक्री कर समिति के सदस्य हैं। आप समाज कल्याण के अनेक कार्यक्रमों में सक्रिय रुप से जुड़े हैं। आप हमारे महाविद्यालय की प्रशासकीय समिति के अध्यक्ष हैं।

डॉ. शिवरमन गौड जी का जन्म रोहतक के एक शिक्षित और प्रतिष्ठित परिवार में हुआ। आपने पंजाब विश्वविद्यालय से एल.एल.बी. एवं कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से एल.एल.एम. की परीक्षा में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। आप 1978 बैच के आई.ए.एस. अधिकारी हैं। आपने हरियाणा में आयुक्त एवं मुख्य सचिव जैसे कई प्रमुख पदों को सुशोभित किया है। 2019 से आप डीएवी कॉलेज प्रबंध समिति में निदेशक-उच्च शिक्षा का पद संभाल रहे हैं। एक कुशल प्रशासक होने के साथ ही आप प्रसिद्ध कवि भी हैं। 'आप लोग' और 'एक आवाज' डॉ. गौड के प्रसिद्ध काव्य संकलन हैं। आप हमारे महाविद्यालय की प्रशासकीय समिति के कोषाध्यक्ष हैं।

प्रो. रजनी अब्बी ने दिल्ली विश्वविद्यालय के मिरांडा हाउस कॉलेज से अंग्रेजी साहित्य में स्नातक होने के पश्चात विधि संकाय से एल.एल.बी. एवं एल.एल.एम. की परीक्षाओं में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। आपने विधि में पीएच.डी की उपाधि भी दिल्ली विश्वविद्यालय से ही प्राप्त की। दिल्ली की पूर्व मेयर प्रो. अब्बी वर्तमान में दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रॉक्टर हैं।

छात्रवृत्तियाँ

श्रीमती लक्ष्मी देवी रूपलाल मग्गू स्मारक

श्रीमती दयावती सुंदरलाल मेमोरियल

श्री सुल्तानचंद्र मेमोरियल

श्री काशीराम कपूर देवी मेमोरियल फंड

डॉ. कीर्ति कुमार ओबरॉय

डॉ. ऋषि कुमार

श्रीमती एवं श्री भगवानदास

श्रीमती प्रकाशवती रोशनलाल चड्ढा

श्री कृष्णगोपाल साहनी स्मारक

श्री विनोद मेहता

डॉ. कृष्ण लाल

शकुंतलादेवी शर्मा पुरस्कार

प्यारेलाल शर्मा पुरस्कार

विट्ठल देवी अवध बिहारी स्मारक पुरस्कार

श्रीमती कुसुम अग्रवाल पुरस्कार

श्री पी. एन. परनामी

विपिन सचदेवा पुरस्कार

श्रीमती संगीता मोहन एवं बेबी प्रियंका मोहन पुरस्कार

दीपा जुनेजा स्मृति पुरस्कार

रामप्यारी भाटिया स्मृति पुरस्कार

सुरेंद्र शर्मा स्मृति पुरस्कार

दीपा अरुणप्रकाश पुरस्कार

सत्यजीत कुमार स्मृति पुरस्कार

श्रीमती शांति देवी कक्कड़

श्री हजारीलाल कक्कड़

श्री राजनारायण कक्कड़

सुरेशचंद गुप्ता पुरस्कार

आर. एन. चोपड़ा छात्रवृत्ति

संतोष बख्शी एवं सुदर्शन मलिक पुरस्कार

ललिता खुराना पुरस्कार

के. एल. भाटिया पुरस्कार

डॉ. जे. कृष्णमूर्ति पुरस्कार

शकुंतला देवी पुरस्कार

भू–लोक का गौरव, प्रकृति का पुण्य लीला–स्थल कहाँ?
फैला मनोहर गिरि हिमालय और गंगाजल जहाँ।
सम्पूर्ण देशों से अधिक किस देश का उत्कर्ष है?
उसका कि जो ऋषिभूमि है, वह कौन? भारतवर्ष है।।

–संदर्भ : भारत–भारती, **मैथिली शरण गुप्त**